

बजाज ऑटो लिमिटेड की कार्यशील पूँजी का विश्लेषणात्मक अध्ययन

प्रो. (डॉ.) एस.के.खटीक*
नारायण जामोद**

ifjp;

प्रत्येक व्यावसायिक संस्था को दो प्रकार की पूँजी की आवश्यकता होती है—स्थिर पूँजी एवं कार्यशील पूँजी। व्यवसाय के संचालन में स्थायी रूप में प्रयोग हेतु कुछ सम्पत्तियों की आवश्यकता पड़ती है, जिन्हें स्थायी सम्पत्ति कहते हैं और इनमें लगायी गयी पूँजी स्थायी या स्थिर पूँजी कहलाती है। इसके विपरीत, व्यवसाय के संचालन सम्बन्धी दिन-प्रतिदिन की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु भी सम्पत्तियों की जरूरत पड़ती है, जिन्हें चल सम्पत्ति कहा जाता है और इनमें लगायी गयी पूँजी को चालू पूँजी या कार्यशील पूँजी कहते हैं। किसी भी संस्था की 'कार्यशील पूँजी' सामान्यतः कच्चे माल के स्कन्ध में, अंशतः तैयार माल के स्कन्ध में, प्राप्त खातों में, विक्रय योग्य प्रतिभूतियों में, और रोकड़ में विनियोजित होती है। इस सभी रूपों में लगायी गयी गयी पूँजी सतत रूप में नकद रोकड़ में परिवर्तित होती रहती है और यह रोकड़ पुनः कार्यशील पूँजी के अन्य प्रारूपों के बदले में बाहर चली जाती है। इस प्रकार यह सतत रूप में चक्र काटता रहता है। परन्तु यह ध्यान में रखना चाहिए कि रोकड़ या रोकड़ तुल्य सम्पत्तियों के कुल मूल्य को कार्यशील पूँजी का माप नहीं माना जा सकता है। चिह्ने के दूसरी तरफ दायित्वों का एक समूह होता है जिसमें मुख्य रूप से अधिविकर्ष, लेनदार, देय बिल व अन्य अल्पकालीन दायित्व होते हैं, जो इन सम्पत्तियों के मूल्यों में से अवश्य घटाये जाना चाहिये ताकि शुद्ध कार्यशील पूँजी निर्धारित की जा सके। यदि ऐसा नहीं किया जाय, तो संस्था अपने आप को कार्यशील पूँजी से पूर्ण सुरक्षित समझ सकती है, जबकि वास्तविकता यह हो सकती है कि संस्था के पास कार्यशील पूँजी थोड़ी है या बिल्कुल नहीं है। इसलिए कार्यशील पूँजी का चालू सम्पत्ति का चालू दायित्व पर आधिक्य के रूप में ही परिभाषित करना यथोचित होगा।

बजाज ऑटो लिमिटेड भारत की एक निजी एवं सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी है। बजाज ऑटो लिमिटेड बजाज समूह का एक हिस्सा है। इसका मुख्यालय पुणे तथा संयंत्र पंतनगर, औरंगाबाद एवं पुणे में हैं। बजाज ऑटो स्कूटर, मोटरसाइकल एवं ऑटो रिक्शा आदि का निर्माण एवं निर्यात करता है।

'kks/k fo" k; ds v/; ; u dk vkfpr;

कार्यशील पूँजी एक उद्योग/ कंपनी अथवा संस्था में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जिस प्रकार मानव शरीर में रक्त कार्य करता है। उसी प्रकार एक कंपनी में कार्यशील पूँजी कार्य करती है। जिस प्रकार से मानव शरीर में अधिक रक्त होना उच्च रक्त चाप कहलाता है तथा कम रक्त होना कम रक्तचाप कहलाता है। ये दोनों ही स्थितियाँ मानव शरीर के लिए हानिकारक है। उसी प्रकार किसी व्यवसाय में कार्यशील पूँजी की अधिकता एवं कमी दोनों ही स्थिति हानिकारक हैं, जो कि अधिक होने पर निष्क्रिय कोषों को जन्म देती हैं तथा कम होने पर अल्पकालीन शोधन क्षमता को प्रभावित करती हैं। इसीलिए कार्यशील पूँजी का प्रबन्धन व्यवसाय

* प्राध्यापक एवं पूर्व संकायाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, बरकतउल्ला वि.वि., भोपाल, मध्यप्रदेश।

** सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, बरकतउल्ला वि.वि., भोपाल, मध्यप्रदेश।

की आवश्यकता के अनुसार किया जाना लाभप्रद रहता है। इन समस्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए ये शोध विषय के अध्ययन का शीर्षक कार्यशील पूँजी का विश्लेषणात्मक अध्ययन का चयन किया गया है, जिसमें की बजाज ऑटो लिमिटेड में कार्यशील पूँजी की स्थिति कैसी है, इत्यादि को ध्यान में रखकर शोध विषय का चयन किया गया है।

I kfgR; dk iujkoykdu

कई शोधकर्ताओं ने विभिन्न दृष्टिकोण और विभिन्न परिस्थितियों में कार्यशील पूँजी का अध्ययन किया है। जिसका विश्लेषण इस प्रकार है। अध्ययन के दौरान उन्होंने सुझाव दिया कि प्रबंधक अपने शेयर धारकों के लिए त्रण वसूली अवधि को कम करके और खाता भुगतान की अवधि को अधिकतम करके धन सृजन करने की करना चाहिए।

JhokLro 'kh[kk ¼2007½ हिन्दुस्तान ऐरोनाटिक्स का विक्रय अध्ययन अवधि के दौरान निरन्तर बढ़ रहा है। कंपनी का बाजार में एकाधिकार है, इसलिए लाभ भी निरन्तर बढ़ रहे हैं, लेकिन कार्यशील पूँजी की स्थिति संतोषजनक नहीं है। स्कन्ध नियंत्रण हेतु सुझाव दिया है, कि स्कन्ध को कम करने का पूरा प्रयास करना चाहिए।

ch ckxph , oa [ke: bl ¼2012½ उनका सुझाव है कि फर्म को कार्यशील पूँजी का कुशलता से प्रबंधन करना चाहिए जो कि अंततः फर्म की लाभदायकता को बढ़ायेगा।

døkj fofiu ¼2015½ ने कहा है कि किसी भी उपक्रम के सफलता हेतु कार्यशील पूँजी का प्रभावी उपयोग एवं प्रबंध करना आवश्यक है। इस अध्ययन के दौरान टायर कंपनियों की कार्यशील पूँजी का अध्ययन किया गया।

I øfr , s , oa ujfl Egk; k Vh ¼2016½ ने सुझाव दिया है कि इन्फोसिस की कार्यशील पूँजी की समग्र स्थिति संतोषजनक है, लेकिन स्कन्ध में सुधार की आवश्यकता है। कंपनी के शुरुआती समय में कंपनी की स्थिति संतोषजनक नहीं थी, लेकिन धीरे-धीरे स्थिति में सुधार हो रहा है। मौजूदा चालू सम्पत्तियों का अधिकतम भाग स्कन्ध के रूप में है। इस अध्ययन के द्वारा यह सुझाव दिया गया है कि कार्यशील पूँजी एवं स्कन्ध के उपयोग में सुधार की आवश्यकता है, जिससे की तरलता में रूकावट न आयें।

eYgk=k fu/kh ¼2017½ ने सुझाव दिया है कि ए.सी.सी. सीमेंट एवं अंबुजा सीमेंट को चालू दायित्व के भुगतान हेतु चालू सम्पत्तियों को अनुकूलतम बनाये रखना चाहिए। तरल अनुपात के सम्बन्ध में कहा है कि ए. सी.सी. को तरल सम्पत्तिया बढ़ानी चाहिए तथा अंबुजा सीमेंट को कम करना चाहिए।

'kks/k fo" k; ds v/; ; u ds m }s' ;

शोध विषय के अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

- कार्यशील पूँजी की अवधारणा का अध्ययन करना।
- बजाज ऑटो लिमिटेड की कार्यशील पूँजी का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
- कार्यशील पूँजी का कंपनी के लाभ पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

'kks/k v/; ; u dh i fjdYi uk, a

शोध अध्ययन की परिकल्पनाएँ इस प्रकार हैं:-

- बजाज ऑटो लिमिटेड की चालू सम्पत्ति एवं चालू दायित्व में सार्थक अन्तर नहीं है।
- कार्यशील पूँजी का कंपनी के लाभों पर सार्थक प्रभाव नहीं है।

शोध संरचना:-प्रत्येक शोध के लिए समंको एवं साहित्य की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार इस शोध विषय के लिए भी द्वितीय समंक की आवश्यकता है, जिसके स्त्रोंत कंपनी के वार्षिक प्रतिवेदन, बजट एवं अन्य दस्तावेज हैं। इस शोध विषय के अध्ययन में सांख्यिकीय विधियों का भी उपयोग किया गया है तथा शोध विषय में ली गई परिकल्पना का परीक्षण भी स्टूडेंट टी-टेस्ट के माध्यम से किया जा रहा है।

'kks'k fo"k; ds v/; ; u dh l hek, a

शोध अध्ययन की सीमाएँ इस प्रकार हैं:—

- पर्याप्त समंको एवं साहित्य का अभाव है।
- अध्ययन की अवधि सीमित है।
- यह अध्ययन द्वितीय समंको पर आधारित है।
- समंको का ग्रुपीकरण एवं सब ग्रुपीकरण शोध विषय की आवश्यकता के अनुसार किया गया है।

ctkt vkwks fyfeVM dh dk; Z kkhy i pth dk fo'y'sk.k

Table 1: pkyw vuq kr

o"l	pkyw l Ei fRr; k	pkyw nkf; Ro	pkyw vuq kr
2014-15	9,526.27	4,476.79	2.12:1
2015-16	4,618.25	2,953.02	1.56:1
2016-17	9391.37	3212.58	2.92:1
2017-18	9235.63	4111.29	2.24:1
2018-19	7062.66	4873.68	1.45:1

स्त्रोत:— वार्षिक प्रतिवेदन बजाज ऑटो लिमिटेड

fuopu

वित्तीय वर्ष 2014-15 में कंपनी का चालू अनुपात 2.12:1 था, जो कि वर्ष 2015-16 में 1.56:1 हो गया। वित्तीय वर्ष 2016-17 में यह अनुपात वृद्धि हो गया तथा 2.92:1 हो गया। वर्ष 2017-18 में यह अनुपात 2.24:1 हो गया तथा 2018-19 में यह अनुपात 1.45:1 रह गया।

Table 2: rjy vuq kr

o"l	rjy l Ei fRr; k	pkyw nkf; Ro	rjy vuq kr
2014-15	7450.51	4,476.79	1.66:1
2015-16	3027.73	2,953.02	1.02:1
2016-17	8662.99	3212.58	2.69:1
2017-18	8493.05	4111.29	2.06:1
2018-19	6101.15	4873.68	1.25:1

स्त्रोत:— वार्षिक प्रतिवेदन बजाज ऑटो लिमिटेड

fuopu

वित्तीय वर्ष 2014-15 में यह अनुपात 1.66:1 है, वर्ष 2015-16 में इस अनुपात में कमी हुई है और 1.02:1 हो गया। वित्तीय वर्ष 2016-17 में इस अनुपात में वर्ष 2015-16 की तुलना में वृद्धि हुई तथा 2.69:1 हो गया। 2017-18 में यह अनुपात 2016-17 की तुलना में कम हो गया और यह अनुपात 2.06:1 हो गया। वित्तीय वर्ष 2018-19 में यह अनुपात वर्ष 2017-18 की तुलना में कम हो गया तथा 1.25:1 हो गया।

Table 3: Rofjr rjy vuq kr

o"l	Rofjr rjy l Ei fRr; k	pkyw nkf; Ro	Rofjr rjy vuq kr
2014-15	586.15	4,476.79	0.13:1
2015-16	859.52	2,953.02	0.29:1
2016-17	293.68	3212.58	0.09:1
2017-18	778	4111.29	0.18:1
2018-19	922.81	4873.68	0.18:1

स्त्रोत:— वार्षिक प्रतिवेदन बजाज ऑटो लिमिटेड

fu0pu

वर्ष 2014-15 में यह अनुपात 0.13:1 था जो कि 2015-16 में 0.29:1 , 2016-17 में 0.09:1, 2017-18 में 0.18:1 तथा 2018-19 में 0.18:1 हो गया।

Table 4: dk; Z khy i tth Vułkøj vuq kr

o"kl	fodt; fd; s x; s eky dh ykr/ "kq; fodt;	dk; Z khy i tth	dk; Z khy i tth Vułkøj vuq kr
2014-15	21103.93	5049.48	4.17: 1
2015-16	22252.78	1665.23	13.36:1
2016-17	22694.87	6178.79	3.67:1
2017-18	25098.64	5124.34	4.89:1
2018-19	29567.25	2152.98	13.73:1

स्रोत:- वार्षिक प्रतिवेदन बजाज ऑटो लिमिटेड

fu0pu

वित्तीय वर्ष 2014-15 यह अनुपात 4.17:1 है। यह अनुपात वर्ष 2015-16 में बढ़कर 13.36:1 हो गया वर्ष 2016-17 में यह अनुपात कम हो गया तथा 3.67:1 रह गया। इस अनुपात में आंशिक वृद्धि हुई और यह अनुपात 2017-18 में 4.89:1 हो गया। अध्ययन अवधि के अंतिम वर्ष में इस अनुपात में वृद्धि हुई तथा 13.73:1 हो गया।

कार्यशील पूंजी टर्नओवर अनुपात से हमें ज्ञात होता है कि एक निश्चित वर्ष में किये गये विक्रय हेतु उस वर्ष में कितनी कार्यशील पूंजी का उपयोग किया गया है। यह अनुपात अधिक होता है तो अच्छा माना जाता है।

Table 5: l pkyu ykHk , oa dk; Z khy i tth dk foj .k

o"kl	l pkyu ykHk	ifjorũ dk ifr'kr	dk; Z khy i tth	ifjorũ dk ifr'kr
2014-15	4084.79	-	5049.48	-
2015-16	5385.18	31.83	1665.23	-67.02
2016-17	5335.63	-9.2	6178.79	271.04
2017-18	5782.57	8.38	5124.34	-17.06
2018-19	6703.16	15.92	2152.98	-57.98

fu0pu

वित्तीय वर्ष 2014-15 की तुलना में वर्ष 2015-16 में लाभ 31.83 प्रतिशत बढ़ा है, वर्ष 2016-17 में वर्ष 2015-16 की तुलना में लाभ 9.2 प्रतिशत कम हो गया। 2017-18 में लाभ में 8.38 की वृद्धि हुई है तथा 2018-19 में लाभ 15.92 प्रतिशत बढ़ा। वित्तीय वर्ष 2014-15 में कार्यशील पूंजी 5049.48 थी, वर्ष 2015-16 में यह 67.02 प्रतिशत कम हो गयी। वर्ष 2016-17 में कार्यशील पूंजी वर्ष 2015-16 की तुलना में 271.04 प्रतिशत बढ़ गयी। वर्ष 2017-18 में यह वर्ष 2016-17 की तुलना में 17.06 प्रतिशत कम हो गयी तथा वर्ष 2018-19 में कार्यशील पूंजी वर्ष 2017-18 की तुलना में 57.98 प्रतिशत कम हो गयी।

Table 6: nunkj Vułkøj

o"kl	fodt;	nunkj	nunkj Vułkøj
2014-15	21103.93	814.15	26 Times
2015-16	22252.78	714.93	31 Times
2016-17	22694.87	953.29	24 Times
2017-18	25098.64	1491.87	17 Times
2018-19	29567.25	2559.69	12 Times

fu0pu

वर्ष 2014-15 में यह अनुपात 26 गुना है। यह अनुपात बढ़कर वर्ष 2015-16 में 31 गुना हो गया। वर्ष 2016-17 में यह अनुपात 24 गुना है। यह अनुपात 2017-18 में कम हो गया तथा 17 गुना रह गया। 2018-19 में यह अनुपात पुनः कम हो गया तथा 12 गुना रह गया।

Table 7: nunkj l xg vof/k

o"kl	o"kl es fnol	nunkj	nunkj l xg vof/k
2014-15	365	814.15	14
2015-16	365	714.93	12
2016-17	365	953.29	15
2017-18	365	1491.87	21
2018-19	365	2559.69	31

fu0pu

देनदार संग्रह अवधि यह दर्शाती है कि कंपनी अपने देनदारों से राशि वसूल करने हेतु औसतन कितने दिनों का समय लेती है। यदि 35 दिनों से कम समय में कंपनी देनदार से राशि वसूल कर लेती है तो सामान्यतः अच्छा माना जाता है। वर्ष 2014-15 में देनदार संग्रह अवधि 14 दिवस है, 2015-16 में यह अवधि 12 दिवस है, 2016-17 में यह अवधि 15 दिवस है, 2017-18 में यह अवधि 21 दिवस है तथा 2018-19 में यह अवधि 31 दिवस है।

Table 8: yunkj Vu0k0j

o"kl	Ø;	yunkj	yunkj Vu0k0j
2014-15	14907.36	1799.75	8.28 Times
2015-16	14993.41	2027.04	7.39 Times
2016-17	14667.83	2235.73	6.56 Times
2017-18	17400.41	3244.32	5.36 Times
2018-19	21880.73	3786.73	5.77 Times

fu0pu

वित्तीय वर्ष 2014-15 में लेनदार टर्नओवर अनुपात 8.28 गुना है, वित्तीय वर्ष 2015-16 में यह अनुपात 7.39 गुना हो गया। वर्ष 2016-17 में यह अनुपात 6.56 गुना हो गया। यह अनुपात वर्ष 2017-18 में कम हो गया और 5.36 गुना हो गया। अध्ययन अवधि के अंतिम वर्ष में यह अनुपात 5.77 गुना है।

Table 9: yunkj Hk0rku vof/k

o"kl	o"kl es fnol	yunkj Vu0k0j	yunkj Hk0rku vof/k
2014-15	365	8.28 Times	44
2015-16	365	7.39 Times	49
2016-17	365	6.56 Times	56
2017-18	365	5.36 Times	68
2018-19	365	5.77 Times	63

fu0pu

वर्ष 2014-15 में औसत लेनदार भुगतान अवधि 44 दिन है। वर्ष 2015-16 में औसत लेनदार भुगतान अवधि 49 दिन है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में औसत लेनदार भुगतान अवधि 56 दिन है। वित्तीय वर्ष 2017-18 में यह 68 दिन हो गया। वित्तीय वर्ष 2018-19 में औसत भुगतान अवधि 63 दिन है।

'kks'k i fjdYi ukvka dk i jh{k.k

$$(1) \quad r = +0.438$$

$$\begin{aligned} t &= \frac{r}{\sqrt{1-r^2}} \times \sqrt{n-2} \\ &= \frac{.438}{\sqrt{1-.438^2}} \times \sqrt{5-2} \\ &= \frac{.438}{\sqrt{.808}} \times \sqrt{3} \\ &= \frac{.438}{\sqrt{.808}} \times 1.73 \\ &= \frac{.75744}{.8080} \end{aligned}$$

$$t = .93$$

$$t_{.05} = 3.12$$

$$t_{.05} > t$$

शोध विषय में ली गयी परिकल्पना स्वीकार्य हैं अर्थात् चालू सम्पत्तियों एवं चालू दायित्व में सार्थक अंतर नहीं हैं, क्योंकि चालू सम्पत्तियाँ शोध अध्ययन की अवधि में घट-बढ़ रही हैं। इसी प्रकार चालू दायित्व भी अध्ययन अवधि में घट-बढ़ रहे हैं। इसलिए शोध विषय में ली गयी परिकल्पना सार्थक है, अर्थात् चालू सम्पत्तियाँ चालू दायित्व पर निर्भर करती हैं।

$$(2) \quad r = -0.24$$

$$\begin{aligned} t &= \frac{r}{\sqrt{1-r^2}} \times \sqrt{n-2} \\ &= \frac{-.24}{\sqrt{1-(-.24)^2}} \times \sqrt{5-2} \\ &= \frac{-.24}{\sqrt{1-.0576}} \times \sqrt{3} \\ &= \frac{.4156}{.9707} \end{aligned}$$

$$t = .4281$$

$$t_{.05} = 3.182$$

$$t_{.05} > t$$

शोध विषय के अध्ययन में ली गयी परिकल्पना स्वीकार्य हैं। अर्थात् बजाज ऑटो लिमिटेड में कार्यशील पूँजी का परिचालन लाभों पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ रहा है, क्योंकि परिचालन लाभ शोध विषय के अध्ययन की अवधि में निरन्तर बढ़ रहे हैं। लेकिन कार्यशील पूँजी अध्ययन अवधि में (परिवर्तित) घट-बढ़ रही हैं। अतः अध्ययन में ली गयी परिकल्पना स्वीकार्य हैं।

fu"d"kl , oa | pko

शोध विषय के अध्ययन के आधार पर निष्कर्ष एवं सुझाव इस प्रकार हैं:-

fu"d"kl

- कंपनी के चालू अनुपात की स्थिति संतोषजनक हैं, परंतु वर्ष 2018-19 में चालू अनुपात में गिरावट आयी हैं। शोध अध्ययन की अवधि में कंपनी दायित्व का भुगतान चालू सम्पत्तियों के माध्यम से आसानी से कर सकती हैं। अतः यह अनुपात कंपनी के लिए संतोषजनक रहा हैं।

- कंपनी के तरल अनुपात की स्थिति संतोषजनक हैं, क्योंकि यह आदर्श अनुपात 1:1 से अधिक हैं। कंपनी आसानी से अपने चालू दायित्व का भुगतान कर सकती हैं, क्योंकि कंपनी के पास तरल सम्पत्तियाँ अधिक हैं। यह स्थिति कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं, जो कि कंपनी से जुड़े हुए व्यक्तियों के लिए लाभप्रद हैं।
- त्वरित तरल अनुपात की स्थिति संतोषजनक नहीं हैं, क्योंकि यह अनुपात आदर्श .5:1 से कम हैं। इसीलिए कंपनी को दैनिक खर्च के भुगतान में भी कठिनाईयाँ हो रही हैं, जो कि कंपनी पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा हैं।
- कार्यशील पूँजी विक्रय अनुपात की स्थिति भी संतोषजनक नहीं हैं, क्योंकि यह आवर्त अनुपात अध्ययन वर्ष की अवधि में परिवर्तनशील रहा हैं, यद्यपि इस अनुपात की स्थिति 2015–16, 2018–19 में संतोषजनक रही, लेकिन अन्य वर्षों में स्थिति अच्छी नहीं हैं, जो कि कंपनी पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा हैं।
- कंपनी का संचालन लाभ निरन्तर बढ़ रहा हैं, लेकिन कार्यशील पूँजी घट-बढ़ रही हैं, संचालन लाभ कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव डाल रहा हैं, लेकिन कार्यशील पूँजी नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं, क्योंकि कार्यशील पूँजी की स्थिति ठीक नहीं हैं।
- देनदार विक्रय अनुपात की स्थिति संतोषजनक हैं, जो कि औसतन 23 गुना के आसपास है। यह अनुपात कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव डाल रहा हैं।
- देनदार वसूली अनुपात की स्थिति संतोषजनक हैं जो कि 01 माह से कम अवधि में वसूली हो रही है, परन्तु वर्ष 2018–19 में वसूली 31 दिवस में हुई, शेष अवधि में वसूली औसतन 16 दिवस की रही हैं। यह अनुपात कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव डाल रहा हैं, क्योंकि कंपनी की वसूली अवधि 01 माह से कम रही हैं, इससे डूबत ऋण होने की आशंका कम हो जाती हैं।
- लेनदार आवर्त अनुपात की स्थिति संतोषजनक हैं, क्योंकि यह क्रय की तुलना में 6.5 गुना आवर्त हो रहा हैं, अर्थात् लेनदारों को वर्ष में लगभग 6 बार भुगतान करना पड़ रहा हैं, जो कि कंपनी के लिये लाभप्रद हैं, क्योंकि लेनदार कंपनी को साख सुविधायें उपलब्ध करा रहें हैं। यह अनुपात कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव डाल रहा हैं।
- लेनदार भुगतान अवधि की स्थिति संतोषजनक हैं, क्योंकि कंपनी को उधार की साख सुविधा लगभग 02 महीने की मिल रही है जो कंपनी के लिये आर्थिक दृष्टि से अच्छी है, जो कि कंपनी के लिये सकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं क्योंकि कंपनी को पर्याप्त समय के लिये उधार मिल रहा हैं।

। k0

- कंपनी को अपने चालू दायित्वों में कमी एवं चालू सम्पत्तियों में वृद्धि करना चाहिये जिससे कि चालू अनुपात की स्थिति सुदृढ़ हो सकें।
- कंपनी को वर्तमान तरल अनुपात की स्थिति को बनाये रखना लाभप्रद होगा।
- कंपनी को त्वरित तरल अनुपात में सुधार हेतु रोकड़, बैंक तथा बाजारयोग्य प्रतिभूति की राशि बढ़ानी चाहिये जिससे कि आसानी से दिन-प्रतिदिन के खर्चों का आसानी से भुगतान किया जा सकें।
- कंपनी को अपनी कार्यशील पूँजी में कमी तथा विक्रय में वृद्धि करना चाहिये, जिससे कि अनुपात में सुधार लाया जा सकें लेकिन 2018–19 में कंपनी की कार्यशील पूँजी में कमी तथा विक्रय में वृद्धि के कारण यह अनुपात संतोषजनक रहा हैं।

- कंपनी को अपने संचालन लाभों की स्थिति को इसी प्रकार बनाये रखना चाहिए जिससे कंपनी की स्थिति सुदृढ़ रहे। कार्यशील पूँजी में सुधार हेतु अनावश्यक कार्यशील पूँजी को कम करना चाहिये। यद्यपि कंपनी ने 2018–19 में यह कदम उठाया है, जिससे कंपनी की कार्यशील पूँजी में सुधार हुआ है।
- कंपनी को देनदार विक्रय अनुपात की वर्तमान स्थिति को भविष्य में भी बनाये रखना चाहिये जिससे कि कंपनी की स्थिति को और सुदृढ़ कर सकें।
- कंपनी को देनदार वसूली अनुपात की वर्तमान स्थिति को भविष्य में बनाये रखना चाहिये, जिससे डूबत ऋण कम होगा।
- कंपनी को लेनदार आवर्त अनुपात की स्थिति को भविष्य में भी बनाये रखना चाहियें जिससे कि कंपनी को साख सुविधा मिलती रहे।
- कंपनी को लेनदार भुगतान अवधि की वर्तमान स्थिति को बनाये रखना चाहिये जिससे कि कंपनी को साख सुविधा मिलती रहे, जिससे कि कंपनी की स्थिति सुदृढ़ हो जायें।

References

- ✘ गुप्ता एस.पी.(2009), प्रबंधकीय निर्णयों हेतु लेखांकन,साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा
- ✘ गुप्ता एस.पी.(2011), वित्तीय प्रबन्ध, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा
- ✘ बजाज ऑटो लिमिटेड(2014–15 से 2018–19) के वार्षिक प्रतिवेदन।
- ✘ Bhattacharya Hrishikes (2014) Working Capital Management,Strategies and Techniques, Third Edition, PHI learning Private Limited, Delhi
- ✘ K.G Jibumon (2018)An Analysis Of Working Capital And Liquidity Of Ongc Ltd With Special Reference To 2012 April To March 2017. International Journal of Application or Innovation in Engineering & Management (IJAEM) Volume 7, Issue 2, ISSN 2319 - 4847

